Scanned with OKEN Scanner

स्वत्वाधिकारी— रमाशंकर मिश्र

संस्करण— प्रथम सन् 2007

प्रकाशक— रमाशंकर मिश्र

(निवर्तमान प्रधानाचार्य)
बबेरू-बाँदा उ० प्र०।

मूल्य— पैंसठ रुपये

मुद्रक— कुशवाहा प्रिंटिंग प्रेस
बबेरू (बाँदा) उ० प्र०।

NAVEEN BHAW GEET by Ramashankar Mishra

नवीन भाव गीत रमाशंकर मिश्र

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

		अ, व स
1.	रचनायें, विशेष	
2.	प्राक्कथन	
3.	आज	1
4.	जीवन में	2
5.	जीवन का गुलाब	4
6.	मन चलो आज कैलास ओर	5
7.	अतिशय अद्‌भुत गिरि चित्रकूट	9
8.	देखो भारत की दशा आज !	14
9.	किस भांति मिलेंगे परमेश्वर ?	20
10.	भारतीय कृषक	23
11.	भारत का श्रमिक	25
12.	अब चलो प्राण, बन ओर चलें	27
13.	रजक दम्पति की कर्मठता	30
14	नूतन परिवर्तन	32
15.	संवेदन के स्वर	34
16.	पछाँही लोहार	36
17.	कूँचा कूँची बंधिया प्रजाति	41
18.	वैभिन्य भरा वैचारिक जग	44
19.	ईश्वर की रचना चतुर्वर्ण	46 - 47
20	पल्लेदार	48
21.	स्वच्छक	51
22.	गाँधी जी को महात्मा उपाधि	54
23.	प्रवचन से बढकर सदाचाण	56
24.	धुआँ	59
25.	परिशिष्ट–नयी कवितायें: समीक्षा	i

Scanned with OKEN Scanner

रचनायें

महाकाव्य

1. स्वामी विवेकानन्द (प्रकाशित)
2. भीष्म पितामह (प्रकाशित)
3. लवकुश (प्रकाशित)
4. साध्वी द्रौपदी (प्रकाशित)
5. महासती अनसूया (प्रकाशित)
6. महानारी मदालसा (प्रकाशित)
7. भगिनी निवेदिता (प्रकाशित)
8. धर्मराज युधिष्ठिर (प्रकाशित)
9. भक्तप्रवर सम्राट् ध्रुव (प्रकाशनाधीन)
10. विप्रवीर परशुराम (प्रकाशनाधीन)

कविता संग्रह

1. अंतर्यात्रा (प्रकाशित)
2. सरस स्वर (प्रकाशित)
3. प्रयोगवादी आयाम (प्रकाशित)
4. विविध–भाव तरंगें (प्रकाशित)
5. नयी कवितायें (प्रकाशित)
6. नवीन भावगीत (प्रकाशित)

खण्ड काव्य

1. सुलोचना का सतीत्व (प्रकाशित)
2. महादेवी राज्यश्री (प्रकाशित)
3. डा0 ऐनीबेसेण्ट (प्रकाशित)
4. राजर्षि मांधाता (प्रकाशित)
5. इन्द्राणी (प्रकाशित)

विशेष

1. सन् 1985 में एवं सन् 1991 में 5 सितम्बर शिक्षक– दिवस–समारोह में जिला शिक्षक–

Scanned with OKEN Scanner

जीवन का गुलाब

जीवन का गुलाब मुसकाता,
काँटों भरी हरी डाली पर।
संसार सकल साधनों भरा,
है यहाँ परिश्रम का महत्व।
उर्वर वसुधा की छाती पर,
शैशव, यौवन संग जरा स्वत्व।।

प्राणी उत्पन्न सतत होते,
देहाभिमान से भरे हुये।
बन जाते ग्रास मृत्यु के सब,
अभिलाषाओं के घूँट पिये।।

आकांक्षा पूर्ण नहीं होती,
दुःखों की दुर्गम घाटी में।
चलते मृदु मंथर त्वरा भरे,
बहुधा मानव परिपाटी में।।

मुसकाते ऋषि–मुनि, महापुरुष,
माया के भी जंजालों में।
चढ जाते निर्भय शूरवीर,
अति तीव्र नुकीले भालों में।।

वीरता–धीरता का विकास,
होता विपदामय उलझन में।
बनता नर युग का लौह पुरुष,
कण्टकमय जीवन–कानन में।।

होती शिक्षा भी सफल सकल,
सांसारिक ऊषा–लाली पर।
जीवन का गुलाब मुसकाता,
काँटों भरी हरी डाली पर।।

Scanned with OKEN Scanner

कवि की जीवन रेखा

नाम	– रमाशंकर मिश्र ।
पिता	– वैद्य स्व० श्री रामकृष्ण मिश्र शास्त्री, आयुर्वेदाचार्य (कान्यकुब्ज ब्राह्मण, बैजे गाँव के मिश्र) ।
माता	– स्व० श्रीमती सुन्दर देवी मिश्रा ।
धर्मपत्नी	– श्रीमती शैल कुमारी मिश्रा ।
जन्म तिथि	– भाद्र कृष्ण पक्ष चतुर्दशी संवत् 1991 ।
जन्म स्थान	– दारागंज, प्रयाग (उ० प्र०) ।
पिता का जन्म स्थान	– यमुना तट पर स्थित ग्राम सभगरा–मर्का (बाँदा) ।
पिता का निवास स्थान	– सर्वप्रथम कतिपय वर्ष दारागंज, प्रयाग एवं तत्पश्चात कर्वी (चित्रकूट) उ0प्र0
शिक्षा	– एम.ए. (अंग्रेजी) इलाहाबाद विश्वविद्यालय, एम.ए (हिन्दी) आगरा विश्वविद्यालय, साहित्य रत्न (हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग), एल.टी. (सेवाकालीन) के.पी. ट्रेनिंग कालेज इलाहाबाद ।
स्थायी आवास	– साहित्य सदन, बबेरू (बाँदा) ।
सेवा स्थल	– श्री जे.पी. शर्मा इण्टर कालेज, बबेरू (बाँदा) में प्रवक्ता एवं प्रधानाचार्य के रूप में अगस्त 1957 से जून 1995 तक कार्यरत रहे ।
वर्तमान पता	– रमाशंकर मिश्र, निवर्तमान प्रधानाचार्य, साहित्य सदन, बबेरू जनपद बाँदा फोन : 9415569875

मुद्रक :– कुशवाहा प्रिंटिंग प्रेस बबेरू (बाँदा) उ.प्र.

Scanned with OKEN Scanner